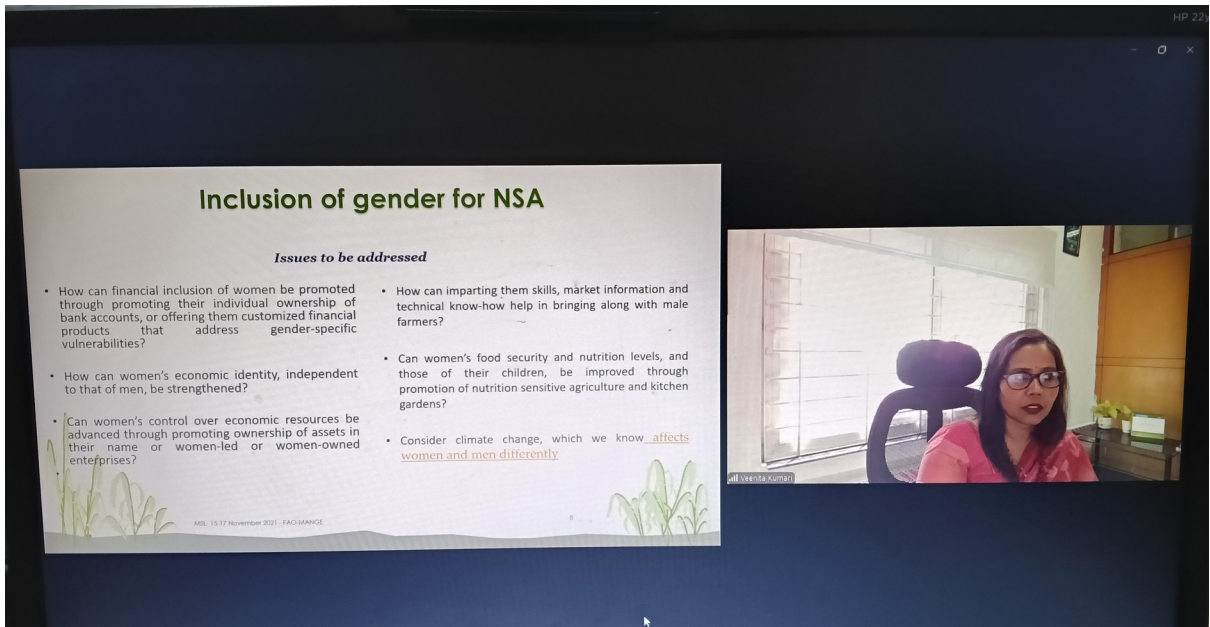


# गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय पंतनगर, जिला— रुधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

**मैनेज सहयोगात्मक ऑनलाइन प्रशिक्षण लैंगिक रूढ़िवादिता को तोड़ने और महिला-नेतृत्व वाले विस्तार पर केंद्रित है**

पंतनगर। 22 जनवरी 2025। विश्वविद्यालय में कृषि महाविद्यालय के कृषि संचार विभाग द्वारा मैनेज हैदराबाद के सहयोग से आयोजित लैंगिक संवेदनशीलता और महिला-नेतृत्व वाले विस्तार पर सहयोगात्मक ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम के दूसरे दिन भी ज्ञानवर्धक सत्रों के साथ जारी रहा। मैनेज, हैदराबाद की उप निदेशक (जेंडर अध्ययन) डा. वीनीता कुमारी ने 'जेंडर और पोषण-संवेदनशील कृषि' पर एक व्याख्यान दिया, जिसमें उन्होंने कृषि में लिंग और पोषण के अंतर्संबंध पर प्रकाश डाला। उन्होंने एरलू खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया और पोषण-संचालित कृषि प्रणालियों में लिंग-संवेदनशील प्रथाओं को एकीकृत करने की रणनीतियों पर चर्चा की।

आईवीआरआई, बरेली के प्रधान वैज्ञानिक डा. आर.एस. सुमन ने 'ग्रामीण समुदायों में लैंगिक रूढ़िवादिता को तोड़ने की रणनीति' पर एक आकर्षक व्याख्यान दिया। उन्होंने पारंपरिक लैंगिक मानदंडों को चुनौती देने के लिए समुदाय संचालित दृष्टिकोण की आवश्यकता पर बल दिया और उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में समानता को बढ़ावा देने के लिए शिक्षा, जागरूकता और समावेशी भागीदारी के महत्व पर प्रकाश डाला। डा. वी.एल.वी. कामेश्वरी ने 'महिला नेतृत्व वाले विस्तार मॉडल' पर व्याख्यान दिया। उन्होंने उन नवीन मॉडलों के बारे में विस्तार से बताया जो महिलाओं को कृषि विस्तार गतिविधियों का नेतृत्व करने और टिकाऊ कृषि प्रथाओं को बढ़ावा देने के लिए सशक्त बनाते हैं। उनकी प्रस्तुति ने अंतराल को पाटने और कृषि ज्ञान और संसाधनों तक समान पहुंच सुनिश्चित करने में महिलाओं के नेतृत्व वाली पहल की क्षमता पर जोर दिया। 20 से 24 जनवरी, 2024 तक चलने वाले इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में देश भर के 62 वैज्ञानिक और विशेषज्ञ एक साथ आए हैं, जो महिलाओं को सशक्त बनाने, लैंगिक समावेशिता को बढ़ावा देने और सहयोगी दृष्टिकोणों के माध्यम से कृषि में महत्वपूर्ण मुद्दों को संबोधित करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। यह कार्यक्रम लैंगिक-संवेदनशील कृषि विकास को बढ़ावा देने के लिए चर्चाओं को समृद्ध करने और सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने के लिए एक मंच प्रदान करना जारी रखता है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का समन्वय डा. अर्पिता एस कांडपाल, सहायक प्रोफेसर कृषि संचार विभाग द्वारा किया गया है।



प्रशिक्षण कार्यक्रम में ऑनलाइन अधिकारी।

निदेशक संचार